



# NCERT Solutions for 9th Class हिंदी : पाठ 15 - मेघ आए



**IndCareer**  
Schools



indCareer



indCareer



indCareer

## NCERT Solutions for 9th Class हिंदी : पाठ 15 - मेघ आए

Class 9: हिंदी Chapter 15 solutions. Complete Class 9 हिंदी Chapter 15 Notes.

### NCERT Solutions for 9th Class हिंदी : पाठ 15-मेघ आए

NCERT 9th हिंदी Chapter 15, class 9 हिंदी Chapter 15 solutions

पृष्ठ संख्या: 128

प्रश्न अभ्यास

1. बादलों के आने पर प्रकृति में जिन गतिशील क्रियाओं को कवि ने चित्रित किया है, उन्हें लिखिए।

उत्तर

बादलों के आने पर प्रकृति में भिन्न तरह के परिवर्तन आते हैं। बादलों के आने की सूचना बयार नाचते-गाते देती हुई चलती है। बादलों के आगमन की सूचना पाकर लोग अतिथि सत्कार के लिए घर के दरवाज़े तथा खिड़कियाँ खोल देते हैं। वृक्ष कभी गर्दन झुकाकर तो कभी उठाकर उनको देखने का प्रयत्न कर रहे हैं। आँधी आकर धूलो को उड़ाती है। प्रकृति के अन्य रूपों के साथ नदी ठिठक गई तथा घूँघट सरकाकर आँधी को देखने का प्रयास करती है। सबसे बड़ा सदस्य होने के कारण बूढ़ा पीपल आगे बढ़कर आँधी का स्वागत करता है। तालाब पानी से भर जाते हैं। आकाश में बिजली चमकती है और वर्षा के बून्द मिलान के आंसू बहाते हैं।

## 2. निम्नलिखित किसके प्रतीक हैं ?

धूल, पेड़, नदी, लता, ताल

उत्तर

1 धूल - स्त्री

2 पेड़- नगरवासी

3 नदी - स्त्री

4 लता - मेघ की प्रतीक्षा करती नायिका

5 ताल - सेवक

## 3. लता ने बादल रूपी मेहमान को किस तरह देखा और क्यों ?

उत्तर

लता ने बादल रूपी मेहमान को किवाड़ की ओट से देखा क्योंकि वह मेघ के देर से आने के कारण व्याकुल हो रही थी तथा संकोचवश उसके सामने नहीं आ सकती थी।

## 4. भाव स्पष्ट कीजिए -

(क) क्षमा करो गाँठ खुल गई अब भ्रम की

(ख) बाँकी चितवन उठा, नदी ठिठकी, घूँघट सरके।

उत्तर

(क) नायिका को यह भ्रम था कि उसके प्रिय अर्थात् मेघ नहीं आएँगे परन्तु बादल रूपी नायक के आने से उसकी सारी शंकाएँ मिट जाती हैं और वह क्षमा याचना करने लगती है।

<https://www.indcareer.com/schools/ncert-solutions-for-9th-class-hindi-chapter-15-megh-aaye/>

(ख) मेघ के आने का प्रभाव सभी पर पड़ा है। नदी ठिठककर कर जब ऊपर देखने की चेष्टा करती है तो उसका घूँघट सरक जाता है और वह तिरछी नज़र से आए हुए आंगतुक को देखने लगती है।

NCERT 9th हिंदी Chapter 15, class 9 हिंदी Chapter 15 solutions

5. मेघ रूपी मेहमान के आने से वातावरण में क्या परिवर्तन हुए ?

उत्तर

मेघ रूपी मेहमान के आने से हवा के तेज बहाव के कारण आँधी चलने लगती है जिससे दरवाजे - खिड़कियां खुलने लगते हैं, पेड़ अपने संतुलन खो देते हैं। नदी और तालाब के पानी में उथल - पुथल होनी लगती है। पीपल का पुराना पेड़ भी झुक जाता है। अंत में बिजली कड़कने के साथ वर्षा होने है।

6. मेघों के लिए 'बन-ठन के, सँवर के' आने की बात क्यों कही गई है?

उत्तर

बहुत दिनों तक न आने के कारण गाँव में मेघ की प्रतीक्षा की जाती है। जिस प्रकार मेहमान (दामाद) बहुत दिनों बाद आते हैं, उसी प्रकार मेघ भी बहुत समय बाद आए हैं। अतिथि जब घर आते हैं तो सम्भवतः उनके देर होने का कारण उनका बन-ठन कर आना ही होता है। कवि ने मेघों में सजीवता डालने के लिए मेघों के 'बन-ठन के, सँवर के' आने की बात कही है।

7. कविता में आए मानवीकरण तथा रूपक अलंकार के उदाहरण खोजकर लिखिए।

उत्तर

मानवीकरण अलंकार :

1. आगे-आगे नाचती बयार चली

यहाँ बयार का स्त्री के रूप में मानवीकरण हुआ है।

2. मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के।

मेघ का दामाद के रूप में मानवीकरण हुआ है।

3. पेड़ झुक झाँकने लगे गरदन उचकाए।

पेड़ों का नगरवासी के रूप में मानवीकरण किया गया है।

4. धूल भागी घाघरा उठाए।

धूल का स्त्री के रूप में मानवीकरण किया गया है।

<https://www.indcareer.com/schools/ncert-solutions-for-9th-class-hindi-chapter-15-megh-aaye/>

5. बूढ़े पीपल ने आगे बढ़कर जुहार की

पीपल का पुराना वृक्ष गाँव के सबसे बुज़ुर्ग आदमी के रूप में है।

6. बोली अकुलाई लता

लता स्त्री की प्रतीक है।

रूपक अलंकार:

1. क्षितिज अटारी

यहाँ क्षितिज को अटारी के रूपक द्वारा प्रस्तुत किया गया है।

2. दामिनी दमकी

दामिनी दमकी को बिजली के चमकने के रूपक द्वारा प्रस्तुत किया गया है।

3. बाँध टूटा झर-झर मिलन के अश्रु ढरके।

झर-झर मिलन के अश्रु द्वारा बारिश को पानी के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है।

NCERT 9th हिंदी Chapter 15, class 9 हिंदी Chapter 15 solutions

8. कविता में जिन रीति-रिवाजों का मार्मिक चित्रण हुआ है, उनका वर्णन कीजिए।

उत्तर

कविता में रीति - रिवाजों के माध्यम से वर्षा ऋतु का चित्रण किया गया है। मेहमान के आने पर पूरे गाँव में उत्साह और उमंग माहौल होता है। सभी लोग अपने-अपने तरीकों से मेहमान के स्वागत में जुट जाते हैं। गाँव की स्त्रियाँ मेहमान से पर्दा करने लगती हैं, बुजुर्ग झुककर उनका स्वागत करते हैं, पैरों को धोने के लिए परात में पानी लाया जाता है। इस प्रकार से इस कविता में कुछ ग्रामीण रीति-रिवाजों का चित्रण हुआ है।

9. कविता में कवि ने आकाश में बादल और गाँव में मेहमान (दामाद) के आने का जो रोचक वर्णन किया है, उसे लिखिए।

उत्तर

कविता में मेघ और दामाद के आगमन में समानता बताई गई है। जब गाँव में मेघ दिखते हैं तो गाँव के सभी लोग उत्साह के साथ उसके आने की खुशियाँ मनाते हैं। हवा के तेज़ बहाव से पेड़ अपना संतुलन खो बैठते हैं, नदियाँ तथा तालाबों के जल में उथल-पुथल होने लगती हैं। मेघों के आगमन पर प्रकृति के अन्य अव्यव भी प्रभावित होते हैं।

<https://www.indcareer.com/schools/ncert-solutions-for-9th-class-hindi-chapter-15-megh-aaye/>

ठीक इसी प्रकार किसी गाँव में जब कोई दामाद आता है तो गाँव के सभी सदस्य उसमें बढ़ चढ़कर भाग लेते हैं। स्त्रियाँ चिक की आड़ से दामाद को देखने का प्रयत्न करती हैं, गाँव के सबसे बुजुर्ग आदमी सर्वप्रथम उसके समक्ष जाकर उसका आदर-सत्कार करते हैं। पूरी सभा का केन्द्रिय पात्र वहीं होता है।

NCERT 9th हिंदी Chapter 15, class 9 हिंदी Chapter 15 solutions

### 10. काव्य-सौंदर्य लिखिए -

पाहुन ज्यों आए हों गाँव में शहर के।

मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के।

उत्तर

प्रस्तुत पंक्तियों में पाहुन अर्थात् दामाद के रूप में प्रकृति का मानवीकरण हुआ है। कवि ने प्रस्तुत कविता में चित्रात्मक शैली का उपयोग किया है। इसमें बादलों के सौंदर्य का मनोरम चित्रण हुआ है। कविता की भाषा सरल तथा सहज होने के साथ ग्रामीण भाषा जैसे पाहुन शब्द का भी इस्तेमाल किया गया है। यहाँ पर बन ठन में ब वर्ण की आवृत्ति होने के कारण अनुप्रास अलंकार है।

NCERT 9th हिंदी Chapter 15, class 9 हिंदी Chapter 15 solutions

पृष्ठ संख्या: 129

रचना और अभिव्यक्ति

11. वर्षा के आने पर अपने आसपास के वातावरण में हुए परिवर्तनों को ध्यान से देखकर एक अनुच्छेद लिखिए।

उत्तर

वर्षा के आने पर वातावरण में ठंड बढ़ जाती है। पेड़ पौधे ताजा दिखाई देने लगते हैं। गड्डो में पानी भर जाता है। सड़के चमकने लगती हैं। बच्चों का झुण्ड बारिश का मजा लेते दिखाई देने लगता है। सड़को पर पानी जमा होने कारण चलने में असुविधा भी होती है और यातायात सम्बन्धी दिक्कतें भी होती हैं। वातावरण में गरमी की समाप्ति होने से लोगों को राहत मिलती है।

12. कवि ने पीपल को ही बड़ा बुजुर्ग क्यों कहा है ? पता लगाइए।

उत्तर

पीपल वृक्ष की आयु सभी वृक्षों से बड़ी होती है। गाँवों में पीपल की पूजा की जाती है इसी कारण गाँव में पीपल वृक्ष का होना अनिवार्य माना जाता है इसीलिए पुराना और पूजनीय होने के कारण पीपल को बड़ा बुजुर्ग कहा गया है।

<https://www.indcareer.com/schools/ncert-solutions-for-9th-class-hindi-chapter-15-megh-aaye/>

13. कविता में मेघ को 'पाहुन' के रूप में चित्रित किया गया है। हमारे यहाँ अतिथि (दामाद) को विशेष महत्त्व प्राप्त है, लेकिन आज इस परंपरा में परिवर्तन आया है। आपको इसके क्या कारण नजर आते हैं, लिखिए।

उत्तर

हमारे यहाँ अतिथि को देवता तुल्य मन गया है। लोग आज भी इस परंपरा का पालन करते हैं। परन्तु बदलते समाज में इस व्यवस्था में कई परिवर्तन आए हैं। इसके कई कारण हैं जैसे संयुक्त परिवारों का टूटना, शहरीकरण, पाश्चात्य संस्कृति की और बढ़ता झुकाव, महँगाई, और व्यस्तता ऐसे कुछ कारण हैं। जिसके फलस्वरूप आज का मनुष्य केवल अपने बारे में ही सोचता है। उसके पास दूसरों को देने के लिए समय तथा इच्छा का अभाव हो चला है और परिणामस्वरूप यह परम्परा धीरे-धीरे गायब होती जा रही है।

NCERT 9th हिंदी Chapter 15, class 9 हिंदी Chapter 15 solutions

भाषा अध्ययन

14. कविता में आए मुहावरों को छाँटकर अपने वाक्यों में प्रयुक्त कीजिए।

उत्तर

1. बन-ठन के - (तैयारी के साथ) मेहमान हमेशा बन-ठन के हैं।
2. सुधि लेना - (खबर लेना) मैंने अपने प्रिया मित्र की कई दिनों तक सुधि नहीं ली है।
3. गाँठ खुलना - (समस्या का समाधान होना) आपसी बातचीत द्वारा मन की कई गाँठें खुल जाती हैं।
4. बाँध टूटना - (धैर्य समाप्त होना) कई घंटे बिजली कटी होने से मोहन के सब्र का बाँध टूट गया।

15. कविता में प्रयुक्त आँचलिक शब्दों की सूची बनाइए।

उत्तर

बयार, पाहुन, उचकाना, जुहार, सुधि-लीन्हीं, किवार, अटारी, बन ठन, बाँकी, परात।

16. मेघ आए कविता की भाषा सरल और सहज है - उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर

'मेघ आए' कविता की भाषा सरल तथा सहज है। निम्नलिखित उदाहरणों द्वारा इसे स्पष्ट किया जा सकता है

1. मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के।

<https://www.indcareer.com/schools/ncert-solutions-for-9th-class-hindi-chapter-15-megh-aaye/>

2. पाहुन ज्यों आए हो गाँव में शहर के।
3. पेड़ झुककर झाँकने लगे गरदन उचकाए।
4. बरस बाद सुधि लीन्हीं
5. पेड़ झुककर झाँकने लगें

उपर्युक्त पंक्तियों में ज़्यादातर आम बोलचाल की भाषा का प्रयोग किया गया है। कहीं-कहीं पर गाँव का माहौल स्थापित करने के लिए ग्रामीण भाषा का भी प्रयोग किया गया है जिसे समझने में कठिनाई नहीं होती है।

NCERT 9th हिंदी Chapter 15, class 9 हिंदी Chapter 15 solutions



# Chapterwise NCERT Solutions for Class 9 हिंदी :

- पाठ 1- दो बैलों की कथा
- पाठ 2 - ल्हासा की ओर
- पाठ 3 – उपभोक्तावाद की संस्कृति
- पाठ 4 – साँवले सपनों की याद
- पाठ 5 – नाना साहब की पुत्री देवी मैना को भस्म कर दिया गया
- पाठ 6 – प्रेमचंद के फटे जूते
- पाठ 7 – मेरे बचपन के दिन
- पाठ 8 – एक कुत्ता और एक मैना
- पाठ 9 – साखियाँ एवं सबद
- पाठ 10 – वाख
- पाठ 11- सवैये
- पाठ 12 – कैदी और कोकिला
- पाठ 13 – ग्राम श्री
- पाठ 14 – चंद्र गहना से लौटती बेर
- पाठ 15 – मेघ आए
- पाठ 17 – बच्चे काम पर जा रहे हैं

<https://www.indcareer.com/schools/ncert-solutions-for-9th-class-hindi-chapter-15-megh-aaye/>

# About NCERT

The National Council of Educational Research and Training is an autonomous organization of the Government of India which was established in 1961 as a literary, scientific, and charitable Society under the Societies Registration Act. The major objectives of NCERT and its constituent units are to: undertake, promote and coordinate research in areas related to school education; prepare and publish model textbooks, supplementary material, newsletters, journals and develop educational kits, multimedia digital materials, etc. Organise pre-service and in-service training of teachers; develop and disseminate innovative educational techniques and practices; collaborate and network with state educational departments, universities, NGOs and other educational institutions; act as a clearing house for ideas and information in matters related to school education; and act as a nodal agency for achieving the goals of Universalisation of Elementary Education. In addition to research, development, training, extension, publication and dissemination activities, NCERT is an implementation agency for bilateral cultural exchange programmes with other countries in the field of school education. Its headquarters are located at Sri Aurobindo Marg in New Delhi. [Visit the Official NCERT website](#) to learn more.

<https://www.indcareer.com/schools/ncert-solutions-for-9th-class-hindi-chapter-15-megh-aaye/>